



BIRLA GLOBAL UNIVERSITY ORGANISED WEBINAR ON INTERNAL QUALITY ASSURANCE IN HIGHER EDUCATION

Birla Global University Bhubaneswar in collaboration with the Association of Indian Universities, New Delhi, organised a webinar on 'Internal Quality Assurance in Higher Educational Institution in the context of National education Policy 2020 on 6th April 2021.

Dr (Ms) Pankaj Mittal, Secretary-General, Association of Indian Universities (AIU) graced the webinar as Chief Guest and Dr Ganesh A. Hegde, Advisor NAAC as the guest of honour.

Speaking on the National Education Policy, Dr Mittal emphasized that a teacher must be at the centre of the fundamental reforms in the education system in India. In his address Prof (Dr)

P. P. Mathur, Honorable Vice-Chancellor, Birla Global University, laid emphasis on bringing the research output of faculties to the classroom and develop an ecosystem of integrated learning.

Highlighting the importance of quality higher education, Prof (Dr) B. K. Das, Registrar, Birla Global University said, "NEP will instil skills in students for personal accomplishments and enlightenment in achieving economic independence." The webinar was coordinated by Dr Ajitabh Dash, Dr Archana Chaudhary and Prof (Dr) Gyanaranjan Mishra.

आजाद सिपाही



बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी में वेबिनार

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। एसोसिएशन ऑन इंडियान यूनिवर्सिटीज, नयी दिल्ली के सहयोग से बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर ने 6 अप्रैल 2021 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन उच्च शिक्षा संस्थान में आंतरिक गुणवत्ता पर एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. पंकज मित्तल, महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालयों के महा सचिव ने मुख्य अतिथि के रूप में वेबिनार और डॉ. गणेश ए हेगड़े सलाहकार एनएएस्सी को सम्मानित अतिथि के रूप में सम्मानित किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर बोलते हुए, डॉ. मित्तल ने जोर दिया कि एक शिक्षक को भारत में शिक्षा प्रणाली में मूलभूत सुधारों के केंद्र में होना चाहिए। प्रो (डॉ.) पी माथुर, कुलपति, कुलपति, बीजीयू ने अपने संबोधन में, संकायों के अनुसंधान उत्पादन को कक्ष में लाने पर जोर दिया। बीजीयू के रजिस्ट्रार डॉ. बी के दास कहा कि गुणवत्ता की उच्च के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एनइपी आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत उपलब्धियों और ज्ञानोदय के लिए छात्रों को कौशल प्रदान करेगा। वेबिनार का समन्वय डॉ. अजिताभ दास अर्चना और डॉ. ज्ञानरंजन मिश्रा ने किया।

‘ବିଜିୟୁ’ ପକ୍ଷରୁ ଉଚ୍ଚ ଶିକ୍ଷା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ଓଡ଼ିଶାରେ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୮/୪ (ବୁଧବେଳା): ବିର୍ଲା ଗ୍ଲୋବାଲ ୟୁନିଭରସିଟି (ବିଜିୟୁ), ଭୁବନେଶ୍ୱର ଏବଂ ଆସୋସିଏସନ ଅଫ୍ ଇଣ୍ଡିଆନ୍ ୟୁନିଭରସିଟି ନୂଆଦିଲ୍ଲୀର ମିଳିତ ସହଯୋଗରେ ‘ଇଣ୍ଟରନାଲ୍ କ୍ୟାଲିଟି ଆସୁପରାନ୍ସ ଇନ୍ ହାଇର ଏଜୁକେସନାଲ୍ ଇନଷ୍ଟିଚ୍ୟୁସନ ଇନ୍ ଦ କଣ୍ଟେକ୍ସଟ୍ ଅଫ୍ ନ୍ୟାସନାଲ୍ ଏଜୁକେସନ ପଲିସି-୨୦୨୦’ ଉପରେ ଏକ ଓଡ଼ିଶାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି । ଏଥିରେ ଏଆଇୟୁର ସେକ୍ରେଟାରୀ ଜେନେରାଲ୍ ଡ. (ସୁଶ୍ରୀ) ପଙ୍କଜ ମିତ୍ତଲ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ଏନଏଏସି(ନାକ୍)ର ଉପଦେଷ୍ଟା ଡ. ଗଣେଶ ଏ ହେରଡ୍ଡେ ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ ।

ଜାତୀୟ ଶିକ୍ଷାନୀତି ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱାରୋପ କରି ଡ. ମିତ୍ତଲ କହିଲେ ଯେ, ଜଣେ ଶିକ୍ଷକ ଭାରତର ଶିକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ମୌଳିକ ସଂସ୍କାରର କେନ୍ଦ୍ରବିନ୍ଦୁ ହେବା ଆବଶ୍ୟକ । ଡ. ହେରଡ୍ଡେ କହିଲେ ଶିକ୍ଷାକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କରିବା ପାଇଁ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶିକ୍ଷାନୁଷ୍ଠାନ ନିଶ୍ଚିତ ଭାବରେ ଏକ ଆଭ୍ୟନ୍ତରୀଣ ଗୁଣାତ୍ମକ ଭିତ୍ତିକ ସେଲ୍ ଗଠନ କରିବା ଉଚିତ ।

ବିଜିୟୁ କୁଳପତି ପ୍ରଫେସର ଡ. ପି.ପି ମାଥୁର ମଧ୍ୟ ଏହି ଓଡ଼ିଶାରେ ଭାଗ ନେଇ ଶ୍ରେଣୀଗୃହରେ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କ ଅନୁସନ୍ଧାନ ଫଳାଫଳ ଏବଂ ସମନ୍ୱିତ ଶିକ୍ଷାର ଏକ ଇକୋ ସିଷ୍ଟମ୍ ବିକାଶ ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇଥିଲେ । ବିଜିୟୁର ରେଜିଷ୍ଟ୍ରାର ଡ. ବି.କେ ଦାସ କହିଲେ ଏନ୍‌ଇପି ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ସ୍ତରର ସଫଳତା ଏବଂ ଅର୍ଥନୈତିକ ସ୍ୱାଧୀନତା ହାସଲ ପାଇଁ ଜ୍ଞାନ ପ୍ରଦାନ କରିବ । ବିଜିୟୁ ପକ୍ଷରୁ ଡ. ଅଜିତାଭ୍ ଦାଶ, ଡ. ଅର୍ଚ୍ଚନା ଚୌଧୁରୀ ଏବଂ ଜ୍ଞାନ ରଞ୍ଜନ ମିଶ୍ର ଓଡ଼ିଶାରେ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ । ପ୍ରଫେସର ପୂଣ୍ୟଶ୍ଳୋକ ଦାଶ ଧନ୍ୟବାଦ ଜଣାଇଥିଲେ ।



created by dji camera

UNIVERSITIES CAMPUS FEATURED

Birla Global University Webinar: Teacher Must Be At Centre Of Fundamental Education Reforms, Say Experts

By **EB Bureau** — Last updated **Apr 11, 2021**

Bhubaneswar: Association of Indian Universities (AIU) Secretary General Dr Ms Pankaj Mittal said at a webinar that teachers must be at the centre of fundamental reforms in education system in India.

Dr Mittal was speaking at the webinar, organized by Birla Global University, Bhubaneswar, in collaboration with AIU, New Delhi, on 'Internal Quality Assurance in Higher Educational Institution in the context of National Education Policy (NEP) 2020'.

Dr Mittal, who was the chief guest, stressed on multi-disciplinary and holistic approach in education across sciences, social sciences, arts, humanities and sports to ensure integration of all knowledge.

She added that the NEP 2020 will provide access to quality education to all students, irrespective of their social status, location and financial status.

Guest of honour Dr Ganesh A Hegde, Advisor NAAC, mentioned the relevance of accreditation of universities for ensuring dissemination of quality education among all students. To promote quality in education, every educational institution must constitute an internal quality assurance cell and ensure transparency in the system, he suggested.

Emphasizing the role of NAAC in the context of Indian higher education, Dr Hegde said all stakeholders of the institutions must try to explore and implement some of the best practices at their level for the benefit of society at large.

BGU Vice-Chancellor Prof. Dr PP Mathur pointed out the importance of bringing the research output of faculties to the class rooms and develop an ecosystem of integrated learning.

BGU Registrar Prof. (Dr) BK Das was of the view that NEP will instill skills in students for personal accomplishments and enlightenment in achieving economic independence.

Over 200 participants attended the webinar.

Birla Global University Organised Webinar on Internal Quality Assurance in Higher Education

BHUBANESWAR: Birla Global University Bhubaneswar in collaboration with Association of Indian Universities, New Delhi organized a webinar on "Internal Quality Assurance in Higher Educational Institution in the context of National education Policy 2020" on 6th April 2021.

Dr. (Ms) Pankaj Mittal, Secretary General, Association of Indian Universities (AIU) graced the webinar as Chief Guest and Dr. Ganesh A. Hegde, Advisor NAAC as the guest of honour.

Speaking on the National Education Policy, Dr. Mittal emphasized that a teacher must be at the center of the fundamental reforms in the education system in India. She stressed on multidisciplinary and holistic approach in education across the sci-



ences, social sciences, arts, humanities, and sports to ensure the unity and integrity of all knowledge. The new education policy will also provide an access to quality education to all students, irrespective of their social status, location, which envisions an education system rooted in Indian ethos that contributes directly to transforming India, she added.

Dr. Hegde in his address mentioned about the relevance of accreditation of

Universities for ensuring dissemination of quality education among the students. To promote quality education, every educational institution must constitute an internal quality assurance cell and ensure transparency in the system. Speaking on the role NAAC in the context of Indian higher Education, he emphasized that all the stakeholders ranging from the top to bottom of the Institution must try to explore and implement some best practices at their

level for the benefit of society at large.

In his address Prof.(Dr) P. P. Mathur, Honorable Vice Chancellor, BGU, laid emphasis on bringing the research output of faculties to the class room and develop an ecosystem of integrated learning.

Highlighting the importance of quality higher education, Prof (Dr) B. K. Das, Registrar, BGU said NEP will instill skills in students for personal accomplishments and enlightenment in achieving economic independence. The webinar was coordinated by Dr. Ajitabh Dash, Dr. Archana Chaudhary and Dr. Gyanaranjan Mishra. Prof. Purnyashloka Das offered a formal vote of thanks to all the dignitaries. More than 200 participants attended the webinar.

सन्मार्ग

email : sanmargjarkhand@gmail.com

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्ये च तस्यै जनकाल्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुवन्दार्कमरुद्गणेश्यः

नयी शिक्षा नीति गुणवत्तापरक शिक्षा देगी : डॉ पंकज

**बिड़ला ग्लोबल
यूनिवर्सिटी में वेबिनार**

संवाददाता

रांची : एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नयी दिल्ली के सहयोग से बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और उच्च शिक्षण संस्थानों में आंतरिक गुणवत्ता नामक विषय पर वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ पंकज मित्तल, महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालयों (एआईयू) शामिल हुईं। उन्होंने डॉ गणेश ए हेगडे, सलाहकार, नैक को सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉ मित्तल ने कहा कि एक शिक्षक को

भारत में शिक्षा प्रणाली में मूलभूत सुधारों के केंद्र में होना चाहिए। उन्होंने विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला, मानविकी और खेल में शिक्षा में बहु-विषयक और समग्र दृष्टिकोण पर जोर दिया ताकि सभी ज्ञान की एकता और अखंडता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति सभी छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करेगी। चाहे उनकी सामाजिक स्थिति, स्थान कुछ भी हो, जो भारतीय लोकाचार में निहित एक शिक्षा प्रणाली को लागू करता है, जो भारत को बदलने में सीधे योगदान देता है। डॉ हेगडे ने छात्रों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार के लिए विश्वविद्यालयों की मान्यता की

प्रासंगिकता के बारे में बताया। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल का गठन करना चाहिए और प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संस्थान के ऊपर से नीचे तक के सभी हितधारकों को बड़े स्तर पर समाज के लाभ के लिए अपने स्तर पर कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं का पता लगाने और लागू करने का प्रयास करना चाहिए। प्रो पीपी माथुर, कुलपति, बीजीयू ने संकायों के अनुसंधान उत्पादन को कक्षा में लाने और एकीकृत शिक्षण का एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर जोर दिया।

पूर्वांचल प्रहरी

गुवाहाटी और जोरहाट से प्रकाशित

www.pp.gpublications.in

32

मंगलवार 20 अप्रैल 2021

रजि. नं. 40914/89, वर्ष-32, अंक-330 मूल्य : ₹ 10.00 पृष्ठ:12

बीजीयू ने उच्च शिक्षा में आंतरिक गुणवत्ता पर किया वेबिनार का आयोजन

भुवनेश्वर: भुवनेश्वर स्थित बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी (बीजीयू) के तत्वावधान में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नई दिल्ली के सहयोग से बीते 6 अप्रैल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में 'उच्च शिक्षा संस्थान में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन' पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में वेबिनार में भाग लिया और एनएएसी के सहलाहकार डॉ. गणेश ए हेगड़े ने सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपना विचार व्यक्त करते हुए डॉ. मित्तल ने कहा

कि एक शिक्षक को भारत में शिक्षा प्रणाली में मूलभूत सुधारों के केंद्र में होना चाहिए। उन्होंने विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला, मानविकी और खेल में शिक्षा के क्षेत्र में बहु-विषयक और समग्र दृष्टिकोण पर जोर दिया, ताकि सभी ज्ञान की एकता और अखंडता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगी, चाहे उनकी सामाजिक स्थिति, स्थान कुछ भी हो, जो भारतीय लोकाचार में निहित एक शिक्षा प्रणाली को लागू करेगा, जो भारत को बदलने में सीधे योगदान देता है। वेबिनार में अपना विचार व्यक्त करते हुए डॉ. हेगड़े ने छात्रों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

के प्रसार के लिए विश्वविद्यालयों की मान्यता की प्रासंगिकता के बारे में बताया। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल का गठन करना चाहिए और प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए। भारतीय उच्च शिक्षा के संदर्भ में एनएएसी की भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संस्थान के ऊपर से नीचे तक के सभी हितधारकों को बड़े स्तर पर समाज के लाभ के लिए अपने स्तर पर कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं का पता लगाने और लागू करने का प्रयास करना चाहिए। बीजीयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) पीपी माथुर ने अपने संबोधन

में संकायों के अनुसंधान उत्पादन को कक्षा कक्ष में लाने और एकीकृत शिक्षण का एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर जोर दिया। बीजीयू के रजिस्ट्रार (डॉ.) बीके दास ने गुणवत्ता की उच्च शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एनईपी आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत उपलब्धियों और ज्ञानोदय के लिए छात्रों को कौशल प्रदान करेगा। वेबिनार का समन्वय डॉ. अजिताभ दास, डॉ. अर्चना चौधरी और डॉ. ज्ञानरंजन मिश्र द्वारा किया गया था। पुण्यश्लोका दास ने सभी गणमान्य लोगों को धन्यवाद प्रस्ताव दिया। वेबिनार में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। (प्रसं)